दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने वर्ष 2020 का **दादा साहेब फाल्के पुरस्कार** प्रसिद्ध अभिनेत्री **आशा पारेख** को देने की घोषणा की है। यह पुरस्कार **नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह** के दौरान प्रदान किया जाएगा।

- इससे पहले **रजनीकांत (2019) और अमिताभ बच्चन (2018)** को यह पुरस्कार मिल चुका है।

पुरस्कार के बारे में:

- **परिचय:**
  - दादा साहेब फाल्के पुरस्कार **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों**- फिल्म उद्योग में सम्मान का एक उच्च प्रतिष्ठित संग्रह, का हिस्सा है। इस पुरस्कार का नाम धुंडीराज गोविंद फाल्के के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने **वर्ष 1913 में भारत की पहली फिल्म राजा हरिश्चंद्र** प्रस्तुत की थी।
  - इस पुरस्कार को भारतीय फिल्म जगत का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। यह "भारतीय सिनेमा की वृद्धि और विकास में उत्कृष्ट योगदान" के लिये दिया जाता है।
- **पृष्ठभूमि:**
  - इस पुरस्कार की **स्थापना सरकार द्वारा वर्ष 1969 में** की गई थी। इस पुरस्कार के तहत एक **'स्वर्ण कमल', 10 लाख रुपए का नकद, एक प्रमाण पत्र, रेशम की एक पट्टिका और एक शॉल** दिया जाता है।
  - यह पुरस्कार **भारत के राष्ट्रपति द्वारा** केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री, जूरी के अध्यक्षों, **फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया** के प्रतिनिधियों तथा **अखिल भारतीय सिने कर्मचारियों के परिसंघ (Confederation of All India Cine Employees)** सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रदान किया जाता है।
  - **वर्ष 1969 में देविका रानी रोरिक** को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

धुंडीराज गोविंद 'दादासाहेब' फाल्के:

- उनका जन्म वर्ष 1870 में महाराष्ट्र के त्र्यंबक में हुआ था। उन्होंने इंजीनियरिंग और मूर्तिकला का अध्ययन किया तथा **वर्ष 1906 में आई मूक फिल्म 'द लाइफ ऑफ क्राइस्ट'** देखने के बाद मोशन पिक्चर्स/चलचित्र में उनकी रुचि बढ़ी।
- फिल्मों में आने से पहले फाल्के ने एक फोटोग्राफर के रूप में काम किया, एक प्रिंटिंग प्रेस के मालिक बने और यहाँ तक कि **प्रसिद्ध चित्रकार राजा रवि वर्मा के साथ भी काम किया।**
- वर्ष 1913 में,फाल्के ने **भारत की पहली फीचर फिल्म (मूक) राजा हरिश्चंद्र की पटकथा लिखी** , उसे निर्मित और निर्देशित किया। अपनी व्यावसायिक सफलता के परिणामस्वरूप फाल्के ने अगले 19 वर्षों में 95 अन्य फीचर फिल्मों के निर्माण के साथ ही 26 लघु फिल्में बनाईं।
- उन्हें **"भारतीय सिनेमा के जनक" (Father of Indian Cinema)** के रूप में जाना जाता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dadasaheb-phalke-award